भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 3727

24.03.2025 को उत्तर के लिए

तटीय अपरदन हेतु निधि

3727. डॉ. सी. एम. रमेश :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या देश में जिलों को निम्न अपरदन और अत्यधिक अपरदन क्षेत्रों के रूप में वर्गीकृत किया गया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ख) वर्ष 2022-25 की अवधि के लिए मैंग्रोव और शेल्टरबेल्ट वृक्षारोपण और बाढ़ प्रबंधन योजना के विकास के लिए संसाधनों का राज्यवार बजटीय आवंटन और उपयोग अलग-अलग कितना है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री

(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) : पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय (एमओईएस) के एक संगठन, राष्ट्रीय तटीय अनुसंधान केंद्र (एनसीसीआर) ने वर्ष 1990 से वर्ष 2018 की अवधि के लिए भारतीय समुद्रतट की तटरेखा परिवर्तन पर आकलन अध्ययन किया है। अध्ययन के अनुसार, भारत के समुद्र तट की तटरेखा परिवर्तन को सात श्रेणियों अर्थात् स्थिर, कम कटाव, मध्यम कटाव, उच्च कटाव, कम अभिवृद्धि, मध्यम अभिवृद्धि और उच्च अभिवृद्धि में वर्गीकृत किया गया हैं। जिलों को कटाव के आधार पर वर्गीकृत नहीं किया जाता है। तटीय जिलों के लिए कम कटाव और उच्च कटाव वाली तटरेखा की लंबाई का जिलावार विवरण संलग्नक-1 में दिया गया है।

(ख) : तटीय आवास और मूर्त आय के लिए मैंग्रोव पहल (मिष्टी) भारत सरकार द्वारा मौजूदा स्कीमों और कार्यक्रमों के अभिसरण के माध्यम से मैंग्रोव की बहाली के लिए शुरू किया गया एक कार्यक्रम है। मैंग्रोव के बहाली के लिए राज्यों को सहायता प्रदान करने के लिए प्रतिपूरक वनरोपण निधि प्रबंधन एवं नियोजन प्राधिकरण (काम्पा) से मिष्टी के तहत 100 करोड़ रुपये की प्रारंभिक राशि आवंटित की गई है। वर्ष 2022-25 के दौरान मिष्टी कार्यक्रम के तहत मैंग्रोव की बहाली के लिए आंध्र प्रदेश, गुजरात, केरल, ओडिशा, पश्चिम बंगाल और संघ राज्य क्षेत्र पुडुचेरी को 17.96 करोड़ रुपये की राशि जारी की गई है।

तटीय संरक्षण स्कीमें बाढ़ प्रबंधन और सीमा क्षेत्र कार्यक्रम (एफएमबीएपी) के तहत केंद्रीय सहायता के लिए पात्र हैं। एफएमबीएपी जल शक्ति मंत्रालय के तहत केंद्रीय जल आयोग (सीडब्ल्यूसी) की एक स्कीम है जो विशेष श्रेणी के राज्यों को केंद्रीय: राज्य 90:10 और सामान्य श्रेणी के राज्यों के लिए 60:40 के आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों को बाढ़ प्रबंधन और नियंत्रण के लिए वित्तीय सहायता प्रदान करती है। सीडब्ल्यूसी द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, इस स्कीम के तहत वर्ष 2022-2024 के दौरान किसी भी तटीय राज्य को कोई धनराशि जारी नहीं की गई है।

****

संलग्नक-1

भारतीय तट के साथ तटरेखा परिवर्तनों के राष्ट्रीय आकलन अध्ययन के अनुसार जिला विशिष्ट तटरेखा की स्थिति निम्नानुसार है:

1. गुजरात

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
वलसाड	1.56	30.16
नवसारी	2.90	9.70
सूरत	1.70	6.20
भरूच	0.72	12.78
आनंद	0.76	7.30
अहमदाबाद	3.08	3.04
भावनगर	3.30	27.90
अमरेली	0.02	8.34
गीर सोमनाथ	1.18	42.44
जूनागढ	0.00	20.96
पोरबंदर	0.00	50.92
देवभूमि द्वारका	2.66	56.40
मोरबी	0.20	13.56
जामनगर	10.62	34.06
कच्छ	100.64	47.12
योग	**129.34**	**370.88**

2. दमन और द्वीप

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
दमन	0.00	5.66
द्वीप	0.00	4.42
योग	**0.00**	**10.08**

3. महाराष्ट्र

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
सिंधुदुर्ग	0.20	5.78
रतनागिरी	0.98	46.34
रायगढ	0.38	40.34
मुंबई शहर	0.00	2.18
मुंबई सुबरबन	0.02	16.94
थाणे	0.02	0.88
पालघर	1.28	61.14
योग	**2.88**	**174.10**

4. गोवा

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	उच्च क्षरण	कम क्षरण
उत्तरी गोवा	0.12	5.98
दक्षिणी गोवा	0.00	19.04
योग	**0.12**	**25.02**

5. कर्नाटक

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
दक्षिणी कन्नड़	1.50	13.24
उडुपी	0.00	34.44
उत्तरी कन्नड़	0.64	20.06
योग	**2.14**	**67.74**

6. केरल

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
कासरगोड	0.02	32.26
कन्नूर	0.05	31.82
कोझिकोड	0.76	51.53
मलप्पुरम	0.12	23.60
त्रिशूर	0.00	19.18
एर्नाकुलम	0.02	19.19
आलाप्पुझा	2.03	37.85
कोल्लाम	1.91	20.55
तिरुवनंतपुरम	0.62	24.55
योग	**5.53**	**260.53**

7. तमिलनाडु

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
चेन्नई	0.00	4.12
कुड्डालोर	2.72	12.20
कांचीपुरम	1.26	47.02
कन्याकुमारी	0.07	45.18
नागपट्टिनम	3.02	42.65
पुदुक्कोट्टई	0.13	21.28
रामनाथपुरम	0.83	104.97
तंजावुर	0.02	17.06
तिरुवल्लुर	2.94	12.46
थिरुवरुर	3.21	11.32
थूथुकुड़ी	1.93	21.13
तिरुनेलवेली	0.00	10.73
विल्लुपुरम	0.00	19.42
योग	**16.16**	**369.63**

8. पुदुचेरी

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
कराईकल	0.00	15.34
पुदुचेरी	0.00	7.66
योग	**0.00**	**23.01**

9. आंध्र प्रदेश

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
नेल्लोर	6.13	44.04
प्रकाशम	2.40	7.28
गुंटूर	0.38	6.37
कृष्णा	45.42	6.30
पश्चिमी गोदावरी	5.96	0.85
पूर्वी गोदावरी	42.25	30.37
विशाखापटनम	0.02	23.88
विजयनगरम	0.00	14.86
श्रीकाकुलम	0.27	24.22
योग	**102.84**	**158.17**

10. ओडिशा

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
गंजम	4.00	9.06
पुरी	6.38	7.06
जगतसिंहपुर	14.36	11.56
केंद्रपाड़ा	28.50	11.34
भद्रक	5.50	2.82
बालेश्वर	4.70	5.68
योग	**63.44**	**47.52**

11. पश्चिम बंगाल

जिला	तट की लंबाई (कि.मी. में)	
	अधिक क्षरण	कम क्षरण
पूर्वी मिदनापुर	5.96	16.11
दक्षिणी 24 परगना	91.68	62.02
उत्तरी 24 परगना	68.62	24.68
योग	**166.26**	**102.85**

****